VRL/SEC/EXCHANGE

06.11.2018

National Stock Exchange of India Ltd.	BSE Limited
5th Floor, Exchange Plaza Bandra (E), Mumbai- 400 051 Script Code: VENUSREM	25th Floor, Phiroze Jeejeebhoy Towers Dalal Street Mumbai Script Code: 526953

Sub.: Announcement under Regulation 30 (LODR)-Newspaper Publication

Dear Sir/ Madam,

Pls find enclosed herewith newspaper publication of Board Meeting Notice.

Thanking you.

for VENUS REMEDIES LIMITED

Company Secretary

संक्षेप में

अरबिंदो फार्मा ने अमेरिका में वापस मंगाई दवा

अरबिंदो फार्मा लिमिटेड ने उच्च रक्त चाप के इलाज में इस्तेमाल होने वाली इरबेसर्टन दवा में गड़बड़ी के चलते अमेरिकी बाजार से वापस मंगाया है। इसकी वजह से कैंसर होने का जोखिम है। यूएसएफडीए ने इसकी जानकारी दी। दवा में एन-नाइट्रोसोडेथैलामिन (एनडीईए) पदार्थ है जो कि प्राकृतिक रूप से कुछ खाद्य पदार्थों, पीने के पानी, वायु प्रदूषण और औद्योगिक प्रक्रियाओं में पाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर के अनुसार, इसे मानव में कैंसर जनक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। *भाषा*

ज्योति लैब का कारोबार होगा दोगुना

ज्योति लैबोरेटरीज का लक्ष्य अगले तीन साल में अपने कारोबार को दोगुना बढ़ाकर 4,000 करोड़ रुपये करने की है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार इसके लिए कंपनी अधिग्रहण और स्वयं की वृद्धि दोनों का उपयोग करेगी। कंपनी का मानना है कि रोजमर्रा के उत्पाद श्रेणी में आयुर्वेद उत्पादों की लहर का फायदा उसे वृद्धि करने में मिलेगा। कंपनी के संयुक्त प्रबंध निदेशक उल्लास कामथ ने कहा, हमारा सपना 2021 तक इसे 4,000 करोड़ रुपये की कंपनी बनाना है। *भाषा*

रुपया जाएगा 76 के पार : यूबीएस

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल में तेजी के साथ रुपये पर दबाव बना रह सकता है और अगले तीन महीने में यह डॉलर के मुकाबले 76 के स्तर पर पहुंच सकता है। यूबीएस ने रिपोर्ट में कहा, यह मान लिया जाए कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल में तेजी बनी रह सकती है और यह 80 डॉलर बैरल से ऊपर रहता है तो हमारा अनुमान है कि रुपया अगले तीन महीने में टूटकर 76 के स्तर पर जा सकता है। *भाषा*

आईटी फर्मों पर वीजा की मार

देसी आईटी फर्मों की सब-कॉन्ट्रेक्टिंग लागत में हुआ इजाफा, नौकरी छोड़ने की दर बढ़ी

रोमिता मजूमदार
मुंबई, 4 नवंबर

अमेरिकी वीजा नियमों से जुड़ी अनिश्चितता देसी आईटी क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है, लेकिन अब इसने भारतीय आईटी सेवा फर्मों की कार्यक्षमता पर असर डालना शुरू कर दिया है। यह कुछ फर्मों के सितंबर तिमाही के आंकड़ों से पता चलता है। उद्योग पर नजर रखने वालों और अग्रणी देसी आईटी फर्मों के प्रबंधन ने वीजा नियमों पर सख्ती और खास तौर से अमेरिका में मांग पूरी करने पर पड़ने वाले असर पर गंभीर चिंता जताई है।

हाल में समाप्त तिमाही में देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी इन्फोसिस ने ऑनसाइट लागत और नौकरी छोड़ने की दरों में इजाफा देखा, वहीं मध्यम आकार की आईटी कंपनी जेनसार ने कहा कि वह अमेरिका में क्लाइंटों की मांग पूरी नहीं कर सकती क्योंकि उसके पास अमेरिकी वीजा वाले पर्याप्त कर्मचारी नहीं हैं। साथ ही अल्पावधि में सब-कॉन्ट्रैक्टर्स की तलाश काफी चुनौतीपूर्ण है। यहां तक कि विप्रो के पास अमेरिका में स्थानीय कर्मचारी ज्यादा हैं, लेकिन इसने वहां नौकरी छोड़ने की दर में बढ़ोतरी देखी क्योंकि देश में सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल की मांग बढ़ रही है क्योंकि मांग व आपूर्ति में बेमेल हो गया है।

आईटी फर्मों की बड़ी चुनौती

- अमेरिका में प्रतिभा की अनुपलब्धता से देसी आईटी कंपनियों की सब-कॉन्ट्रैक्टिंग लागत बढ़ी
- देसी कंपनियां अमेरिकी विश्वविद्यालयों से ज्यादा नियुक्तियां कर रही हैं ताकि वीजा पर निर्भरता कम हो

कोटक इंस्टिट्यूशनल इक्विटीज की रिपोर्ट में शोध विश्लेषक कंवलजीत सलूजा ने कहा, भारतीय आईटी कंपनियों की तरफ से स्थानीय कर्मचारियों की नियुक्ति हम देख रहे हैं, जिनकी संख्या वीजाधारक कर्मियों के मुकाबले ज्यादा है। हालांकि सीमित संसाधन के चलते इसका असर महसूस किया जा रहा है। इन्फोसिस ने तिमाही के दौरान उच्च लागत के लिए इसे जिम्मेदार ठहराया, वहीं मांग पूरी करने की चुनौतियों के चलते हेक्सावेयर ने अनुमान के मुताबिक राजस्व अर्जित नहीं किया।

यहां तक कि आईटी उद्योग की निकाय अमेरिका में वीजा पर प्रस्तावित पाबंदी के खिलाफ है। ट्रंप प्रशासन नए व मौजूदा आव्रजक पेशेवरों के लिए वीजा नियमों को सख्त बना रहा है, जिससे आईटी कंपनियों को अमेरिका में प्रतिभाओं को बनाए रखने में मुश्किल हो रही है। इसके अलावा भारतीय आईटी कंपनियां एच-1 बी वीजा के आवेदन अस्वीकार किए जाने के मामले में तेजी देख रही है।

इन्फोसिस के सीएफओ रंगनाथ माविनकेरे ने कंपनी के नतीजे पेश करने के दौरान कहा था, पिछले 12 महीने में हमने अमेरिका में वीजा नियमों में कुछ निश्चित बदलाव देखे हैं। स्थानीय नियुक्तियों में हमने तेजी लाई है, लेकिन हमें अभी भी कुछ तात्कालिक परियोजनाएं पूरी करनी है खास तौर से डिजिटल क्षेत्र में। यही वजह है कि हमें ऑनसाइट पर नौकरी छोड़ने की दर में बढ़ोतरी देखी है। दूसरी तिमाही में बेंगलूरु मुख्यालय वाली कंपनी की सब-कॉन्ट्रैक्टिंग लागत राजस्व की 7.4 फीसदी रही। प्रतिभा की उपलब्धता पर चुनौती को कंपनियों ने अभी झेल लिया है और इसका प्रबंधन कर लिया है, लेकिन उद्योग की नजर उन प्रशासनिक बदलावों पर है जिसे अगले साल अमेरिकी प्रशासन अंजाम दे सकता है।

एचएसबीसी की मदद से रिलायंस को ब्लॉकचेन भुगतान

इस प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से दस्तावेजों के आदान-प्रदान में लगने वाला समय बहुत कम हो गया

एजेंसियां
मुंबई, 4 नवंबर

ब्रिटेन के प्रमुख बैंक एचएसबीसी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के एक निर्यात सौदे से जुड़ा भुगतान ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का उपयोग करके किया है और इस प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से सौदे के कागजों के प्रसंस्करण और आदान-प्रदान में लगने वाला समय बहुत कम हो गया।

भारत में यह पहला मौका है जब व्यापार वित्तीय लेन-देन ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के माध्यम से हुआ है। एचएसबीसी इंडिया और रिलायंस ने एक संयुक्त बयान में कहा कि ब्लॉकचेन के माध्यम से जारी साख-पत्र के इस्तेमाल से रिलायंस तथा अमेरिका की ट्राइकॉन एनर्जी के बीच व्यापार में बहुत आसानी हुई। आरआईएल के संयुक्त मुख्य वित्त अधिकारी श्रीकांत वेंकटचारी के हवाले से बयान में कहा गया है, ब्लॉकचेन के उपयोग से निर्यात दस्तावेज के आदान-प्रदान में लगने वाला समय 7-10 दिन की जगह एक दिन से भी कम रह जाता है।

लदान के इलेक्ट्रॉनिक बिल जारी करने तथा उसके प्रबंधन को लेकर ब्लॉकचेन मंच को इलेक्ट्रानिक

लदान बिल (ईबीएल) मंच से समन्वित किया जाता है। इससे संबंधित सौदों में वस्तुओं का अंतरण विक्रेता से खरीदार तक डिजिटल तरीके से हो जाता है। बयान में दावा किया गया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वस्तुओं की खरीद और बिक्री में शामिल संगठन के लिए यह समाधान बेहतर है क्योंकि यह सभी पक्षों को एक मंच पर लाता है।

ब्लॉकचेन समाधान एक वितरित डेटाबेस है, जो ऑर्डर वाले रिकॉर्ड की बढ़ती सूची लगातार बनाए रखता है। इसे काफी पारदर्शी माना जाता है क्योंकि सभी पक्ष वास्तविक समय पर प्रगति देख सकते हैं। आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई तथा येस बैंक समेत अन्य घरेलू बैंक ब्लॉकचेन समाधान पर काम कर रहे हैं।

रियल्टी डेवलपर्स को पीरामल ने घटाई उधारी

रियल एस्टेट डेवलपर्स को उधार देने में आक्रामक रही कंपनियों में से एक पीरामल एंटरप्राइजेज अब इस क्षेत्र को कर्ज में कटौती कर रही है क्योंकि कंपनी अपने पोर्टफोलियो का जोखिम घटाना चाहती है और आगामी वर्षों में गैर-रियल एस्टेट क्षेत्र की लोनबुक में बढ़ोतरी करना चाहती है। इसके लोनबुक में रियल एस्टेट की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2017 की सितंबर तिमाही के 85 फीसदी के मुकाबले इस वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में घटकर करीब 74 फीसदी रह गई है। कंपनी की तरफ से हाल में यह सूचना दी गई है। कंपनी को उम्मीद है कि अगले दो सालों में रियल एस्टेट की हिस्सेदारी घटकर 50 फीसदी रह जाएगी। *राघवेंद्र कामत*

बीएस बातचीत

कोयले की बढ़ती लागत से चिंतित : सतीश पई

हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को इस बार कोयले का आयात करना पड़ा है, ऐसे में कंपनी आने वाले समय में कोयले की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर चिंतित है। **अदिति दिवेकर** और **देव चटर्जी** को दिए साक्षात्कार में कंपनी के प्रबंध निदेशक **सतीश पई** ने कोयले की लागत, एल्युमीनियम के बढ़ते आयात और एलेरिस सौदे को लेकर विस्तार से बातचीत की। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश...

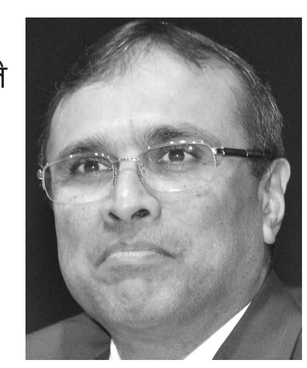

हिंडाल्को की बिजली व ईंधन लागत काफी ज्यादा बढ़ी है। आपके पास खुद के चार खदान हैं, ऐसे में कोयले की लागत आपके लिए कितनी बड़ी चिंता की बात है?

मैं चिंतित हूं। हमने कोयले का आयात शुरू कर दिया है। कुल 1.6 करोड़ टन कोयले की जरूरत में से हमने सितंबर तिमाही में 10 लाख टन कोयले का आयात किया। रुपये के स्तर को देखते हुए इस समय कोयले का आयात और खुद के खदान व लिंकेज के लिहाज से निश्चित तौर पर चिंता हो रही है। इस तिमाही में कोयले की कीमतें 11 फीसदी बढ़ी क्योंकि देसी बाजार में कोयले की हाजिर कीमतें चढ़ी हैं।

कोयले की समस्या का समाधान कैसे हो सकता है?

कोयला ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है। और खदानों की नीलामी होनी चाहिए। सरकार के पास मंजूरी की एकल खिड़की होनी चाहिए। 75-80 करोड़ टन कोयले की मांग के मुकाबले कोल इंडिया का उत्पादन 60 करोड़ टन है, ऐसे में बाकी का आयात करना होगा। अगर नए खदान नहीं खुलेंगे तो बढ़ती मांग को पूरा करने में मुश्किल होगी। उम्मीद है कि कोल इंडिया का उत्पादन अब जोर पकड़ेगा क्योंकि मॉनसून वापस लौट चुका है।

अगली दो तिमाही में कारोबार कैसा रहेगा?

लंदन मेटल एक्सचेंज पर एल्युमीनियम 2000 डॉलर प्रति टन है। यह कीमत का निचला स्तर होना चाहिए। एलएमई पर कीमतें निश्चित तौर पर बढ़ेंगी क्योंकि मांग-आपूर्ति का समीकरण भी काफी सख्त है। दुनिया में 16 लाख टन एल्युमीनियम की कमी है और इन्वेंट्री अब तक के निचले स्तर पर है। देसी मोर्चे पर देखें तो भारतीय मांग अप्रैल-सितंबर में साल दर साल के हिसाब से 13 फीसदी मजबूत रही, लेकिन हमारी बाजार हिस्सेदारी आयात की भेंट चढ़ गई। चीन से आयात 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ा है, वहीं अमेरिकी स्क्रैप का आयात 145 फीसदी उछला है।

एलेरिस सौदे पर क्या स्थिति है। क्या एलेरिस में आपने नियुक्ति शुरू कर दी है?

एलेरिस सौदे के लिए अमेरिकी मंजूरी फरवरी में मिलने वाली है, लेकिन ज्यादा महत्वपूर्ण चीन की मंजूरी है, जिसके लिए काम चल रहा है। अभी हम एलेरिस में हाथ नहीं लगा रहे और यह स्वतंत्र रूप से काम कर रही है, साथ ही एकीकरण की टीम वहां मौजूद है। अधिग्रहण पूरा होने के बाद हम इस इकाई में निवेश करेंगे।

अलग हुआ कारोबार पर कीमत नहीं रही दमदार

जश कृपलानी
मुंबई, 4 नवंबर

अगर हालिया मामलों पर नजर डालें तो कारोबार अलग करने के कदम शेयरधारकों के हक में नहीं रहे हैं। इसके जरिए शेयरधारकों के लिए आकर्षक कीमत सामने आने की उम्मीद की जाती है।

साल 2017 के बाद अब तक अलग हुए सात कारोबार में से छह निवेशकों के लिए कीमत के लिहाज से विध्वंसक रहे हैं। अभी इन इकाइयों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण कारोबार अलग होने के पहले के मुकाबले औसतन 31 फीसदी नीचे है। कुल मिलाकर कारोबार अलग करने के छह मामलों में शेयरधारकों की संपत्ति पर करीब 150 अरब रुपये की चोट पड़ी है। कारोबार अलग करने के जरिए सृजित इकाइयों के कमजोर फंडामेंटल और इस कदम के बाद प्रवर्तकों की बिक्री ने कुछ पुनर्गठित इकाइयों की शेयर कीमतें नीचे आई हैं। ओंकार स्पेशियलिटी केमिकल्स व लासा सुपरजेनेरिक्स के मामले में प्रवर्तकों की बिकवाली ने निवेशकों को परेशान किया। आंकड़ों से पता चलता है कि कारोबार अलग किए जाने से शेयरधारकों को सबसे ज्यादा झटका लगा है। दोनों इकाइयों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण ओंकार स्पेशियलिटी केमिकल्स के पूर्व समायोजित बाजार पूंजीकरण के मुकाबले करीब 84 फीसदी नीचे है।

इक्विनॉमिक्स के संस्थापक व प्रबंध निदेशक जी चोकालिंगम ने कहा, प्रवर्तकों की बिकवाली से सामान्य तौर पर डर पैदा होता है, खास तौर से कारोबार अलग करने जैसे कॉरपोरेट घटनाक्रम के बाद। यह महसूस कराता है कि नए ढांचे पर प्रवर्तक का भरोसा नहीं है। मुझे नहीं पता कि इस मामले में क्या प्रवर्तक के पास बिकवाली की बाध्यता थी।

विशेषज्ञों ने कहा कि जिन इकाइयों का कर्ज ज्यादा था वहां कारोबार अलग करने से सेंटिमेंट में बहुत ज्यादा सुधार नहीं हुआ। चोकालिंगम ने कहा, अलग हुई इन इकाइयों में से कई के फंडामेंटल कमजोर हैं। जब तक फंडामेंटल में सुधार नहीं होता, कारोबार अलग करने भर से शेयरधारकों के मूल्यांकन की बहाली नहीं हो सकती। उदाहरण के लिए वित्त वर्ष 2018 के आखिर में सिंटेक्स इंडस्ट्रीज का एकल कुल कर्ज खाते में 54 अरब रुपये था। कंपनी का कर्ज-इक्विटी अनुपात 1.15 गुना था। इस बीच, अलग हुई इकाई सिंटेक्स प्लास्टिक टेक्नोलॉजी के खाते में एकीकृत कर्ज 38.7 अरब रुपये था जबकि कर्ज-इक्विटी अनुपात 1.18 गुना। यह जानकारी कैपिटालाइन से मिली। कॉरपोरेट गवर्नेंस के विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसे कॉरपोरेट प्रस्तावों को मंजूरी देते समय अल्पांश शेयरधारकों को भी सावधान रहना चाहिए। प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म आईआईएएस के संस्थापक व प्रबंध निदेशक अमित टंडन ने कहा, कभी-कभी प्रवर्तक कारोबार अलग करने का इस्तेमाल जटिल ढांचे के सृजन के लिए करते हैं, जो अनिवार्य रूप से उनकी कंपनियों में वोटिंग पर नियंत्रण को एकीकृत करने में मदद करता है।

FIVE CORE EXIM LIMITED
(Formely known as Aurum Soft Systems Limited)
CIN: L32200TN1994PLC026958
REG OFFICE: City Centre Plaza, 3rd Floor, Room No. 7/48, Anna Salai, Chennai-600 002, Tel: (91) - 7042292838,
Email: manager.roc@5core.in, Website: www.fivecoreexim.com

NOTICE

Notice is hereby given pursuant to Regulation 47 and other relevant Regulation, if any, of SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirement) Regulation, 2015 that a meeting of Board of Directors of the Company will be held on Wednesday, 14th day of November, 2018 at 04:30 P.M. (IST) at the Corporate Office of the Company at WZ 15B/1, Room No. 203-204, Uggarsain Market, Ashok Nagar, Tilak Nagar, New Delhi-110018 to inter-alia, consider and approve the following business:

1. To take on record the Un-audited Financial Results for the Quarter ended 30th September, 2018.
2. Limited Review Report in respect of Un-Audited Financial Results to be received from the Auditors of Company M/s GSSV & Associates, Chartered Accountants.
3. Any other matter as may be considered appropriate by the Board.

Further, the Audit Committee will consider and review the Financial Result in its meeting which will be held on same day, prior to the Board Meeting.

In accordance with SEBI (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015 read with Company's Code of Conduct to Regulate, Monitor and Report trading by Insiders, the 'Trading Window' for dealing in the Equity Shares of the Company shall remain closed from Saturday, the 3rd November, 2018 to Friday, the 16th November, 2018 (both days inclusive) that is 48 hours after the Un-Audited Financial Results are submitted to the Stock Exchange. The same has been intimated to all Director, KMPs and Designated Employee of the Company.

By Order of the Board of Directors
For Five Core Exim Limited
Sd/-
Surinder Kaur Kalra
Managing Director
Date: 2nd November, 2018
Place: Chennai

दि यमुना सिंडिकेट लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : रादौर रोड़, यमुना नगर - 135001
CIN: L24101HR1954PLC001837
Ph.: +91-1732-255479, Fax No.: +91-1732-251802
E-mail : companysecretary@yamunasyndicate.com
Website : www.yamunasyndicate.com

सूचना

सूचित किया जाता है कि सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनिमयन, 2015 के विनियमन 29, विनियमन 47 के साथ पढ़ते हुये, के अनुसार, कम्पनी के निदेशक मण्डल की एक बैठक बुधवार 14 नवम्बर 2018 को ए-4, सैक्टर 24, नोएडा (उत्तर प्रदेश) - 201307 मे 30 सितम्बर 2018 को समाप्त तिमाही व अर्ध वर्ष के वित्तिय परिणामो पर विचार करने व अनुमोदित करने के लिये, आयोजित की जायेगी।

यह सूचना कम्पनी की वैबसाईट www.yamunasyndicate.com व बी.एस.ई. लि. की वैबसाईट www.bseindia.com, जहां कम्पनी के शेयर सूचीबद्ध हैं, पर भी उपलब्ध हैं।

बोर्ड आदेशनुसार
कृते दि यमुना सिंडिकेट लिमिटेड़
हस्ता/- आशीष कुमार
कम्पनी सचिव
दिनांक : 03 नवम्बर 2018
स्थान : यमुना नगर - 135001

VENUS
Enjoy Innovations

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अन्य विषयों के साथ 30.09.2018 को समाप्त तिमाही के लिए अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों पर विचार और अनुमोदन करने हेतु निदेशक मंडल की बैठक बुधवार, 14 नवंबर, 2018 को आयोजित होना प्रस्तावित है।

हम यह भी सूचित करना चाहते हैं कि भारतीय प्रतिभूति और विनियामक बोर्ड (अनाधिकृत ट्रेडिंग निषेध) नियमावली के प्रावधानों के अनुपालन में उपरोक्त बोर्ड बैठक को ध्यान में रखते हुए सभी निदेशकों, पदनामित कर्मचारियों और अन्य अंदर के व्यक्तियों के लिए कंपनी की प्रतिभूतियों में लेन-देन करने के लिए ट्रेडिंग विंडो दिनांक 03 नवंबर, 2018 से 16 नवंबर, 2018 (दोनों दिन शामिल) तक बंद रहेंगे।

हिते वीनस रेमीडीज लिमिटेड
चंडीगढ़ हस्ता./–
03.11.2018 (कंपनी सचिव)

वीनस रेमीडीज लिमिटेड
पंजी. कार्या. एससीओ 857, सी. नं. 10, द्वितीय तल, एनएसी, मनीमांजरा, चंडीगढ़
कॉर्पो. कार्या.: 51–52, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज–I, पंचकुला (हरियाणा)
सीआईएन : 24232सीएच1989पीएलसी009705
वेबसाइट : www.venusremedies.com
एनएसई (nseindia.com) व बीएसई (bseindia.com) में पंजीकृत

पावर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
उत्तरी क्षेत्र–1, मुख्यालय, बी–9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली
वेबसाइट: www.powergridindia.com, सीआईएन: L40101DL1989GOI038121
पावरग्रिड

निविदा आमंत्रण सूचना दिनांक: 05/11/2018

पावरग्रिड निम्नलिखित के लिए पात्र निविदाकर्ताओं से ई–पोर्टल **https://pgcileps.buyjunction.in** के माध्यम से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित करता है :

क्रं. सं.	विवरण	निविदा दस्तावेजों की लागत (₹)	निविदा दस्तावेजों के विक्रय की अंतिम तिथि	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि (1430 बजे तक)
1.	फरीदाबाद में एनआर 1 आर एच क्यू भवन में ऑडियो विजुअल सुविधाओं की स्थापना। **निविदा पूछताछ सं. : N1/C&M/18-19/OT/35** **धरोहर राशि : ₹ 3,87,000/-**	₹ 5,000/-	04/12/2018	11/12/2018

1. निविदा कार्यक्रम में संयोजन/परिवर्तन, यदि कोई हैं सहित अन्य विवरणों के लिए, कृपया प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://pgcileps.buyjunction.in** पर देखें।
2. उपरोक्त पैकेज के लिए निविदाकर्ता निविदा की बिक्री की अंतिम तिथि तक दस्तावेजों की लागत का भुगतान अप्रतिदेय डिमांड ड्राफ्ट "**पावर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड**" नई दिल्ली में देय या ऑनलाईन भुगतान करने के बाद ही **https://pgcileps.buyjunction.in** पर निविदा में भाग ले सकते हैं।
3. निविदा सुरक्षा, अखंडता संधि (यथा लागू) आदि (पेपर/निविदा का हार्ड कापी भाग) निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि को 1430 बजे तक निविदा दस्तावेज में निर्दिष्ट भौतिक रूप में प्रस्तुत किया जाएगा और निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि से 30 मिनट बाद खोला जाएगा।
4. सम्पूर्ण निविदा दस्तावेज केवल संदर्भ के लिए हमारी वेबसाइट **https://www.powergridindia.com** पर भी उपलब्ध है।

मुख्य प्रबंधक (सीएण्डएम) फोन नं. – 011-26567148

PR/NR-I/NIT/18-19/39/BASIC4

हमारी एप्स प्राप्त करने के लिए टोल फ्री नं. 1800 200 3004 पर मिस्ड कॉल करें।

जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लि.
गृहे सौख्यम् विराजते
पंजीकृत एवं कारपोरेट कार्यालय : नेशनल इंश्योरेन्स बिल्डिंग, 6वां तल, 14, जमशेदजी टाटा रोड, चर्चगेट, मुंबई–400020
चंडीगढ़ कार्यालय : एससीओ–44, सेक्टर 31–डी, चंडीगढ़ (यूटी) फोन नं. +91 172 2600444/445/446 ई–मेल: chandigarh@gichfindia.com

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (सरफासी अधिनियम) के तहत कब्जा सूचना

जैसे कि जीआईसीएचएफएल के अधोहस्ताक्षरी प्राधिकृत अधिकारी ने सरफासी अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के तहत संबंधित तिथियों को मांग सूचना जारी की थी। जिसमें नीचे लिखित आप/कर्ज़दारों से बकाया राशि को संबंधित नोटिसों की प्राप्ति तिथियों से 60 दिन के अंदर चुकता करने के लिए कहा गया। आप सभी निर्धारित अवधि के अंदर बकाया राशि चुकता नहीं कर सके है और इसलिए जीआईसीएचएफएल ने सरफासी अधिनियम, 2002 के नियमों के साथ पठित धारा 13 की उप धारा (4) के प्रावधानों के तहत प्रदत्त अधिकार का प्रयोग कर नीचे उल्लिखित प्रत्याभूत परिसंपत्तियों को भौतिक कब्जा ले लिया है।

क्र. सं.	कर्जदार का नाम और फाइल नं.	प्रत्याभूत परिसंपत्ति का विवरण	मांग सूचना की तारीख	मांग सूचना के अनुसार राशि (विधिक एवं अन्य विविध व्यय अतिरिक्त)	संपत्ति का स्थान	भौतिक कब्जे की तिथि
1.	**श्रीमती कुसुम भार्गव** पत्नी श्री संजय भार्गव (पीबी0290110001285)	कृष्णा एन्कलेव, गांव– चनालो, कुराली, तहसील–खराड़, जिला–एसएएस नगर, मोहाली स्थित प्लॉट/मकान/फ्लैट/दुकान नं. 12ए, भूतल, खाता नं. 421/481, 481/1, 482, एवं 423/484, खसरा नं. 11//21/1(–8), 21/2(2–12), 21/3(3–0), 242(1–9), 10//25/2(1–12), 11//22/2(4–8), 22/3(2–12), 22/1(1–0),	6.11.2017	1338849/-	कुराली	30.10.2018
2.	**श्री संजय भार्गव** पुत्र श्री शाम नाथ भार्गव (पीबी0290110001245)	कृष्णा एन्कलेव, गांव– चनालो, कुराली, तहसील–खराड़, जिला–एसएएस नगर, मोहाली स्थित प्लॉट/मकान/फ्लैट/दुकान नं. 13ए, भूतल, खाता नं. 421/481, 481/1, 482, एवं 423/484, खसरा नं. 11//21/1(–8), 21/2(2–12), 21/3(3–0), 242(1–9), 10//25/2(1–12), 11//22/2(4–8), 22/3(2–12), 22/1(1–0),	6.11.2017	1242364/-	कुराली	30.10.2018
3.	**श्रीमती मधु राज तिवारी** पुत्री श्री कृष्णा तिवारी (एचआर0290610001841)	गांव करधन, हदबस्त नं. 103, तहसील एवं जिला अंबाला स्थित प्लॉट/मकान/फ्लैट/दुकान नं. 32, निशांत बाग, माप 44 वर्ग गज जिसकी खाता सं. 208/325 व खसरा नं. 8//1(8–0)	25.4.2018	1546361/-	अंबाला कैंट	31.10.2018
4.	**श्री किरन सिंह** पुत्र श्री श्री मंगत सिंह (एचआर0290610001334)	पटेल नगर, बार्ड नं. 17, गांव–करधन, अंबाला कैंट स्थित प्लॉट/मकान नं. 38, माप 84 वर्ग गज जिसका खसरा नं. 16//3, 4	1.5.2017	1523392/-	अंबाला कैंट	31.10.2018
5.	**श्री धरम पाल** पुत्र श्री रबि राम और श्री लखविंदर सिंह पुत्र श्री धर्म पाल (सीएच0290600101872)	गांव– तिवार, तहसील–खराड़, जिला–एसएएस नगर, मोहाली स्थित प्लॉट/मकान/फ्लैट/दुकान नं. माप 63 वर्ग गज	31.10.2006	627584/-	खराड़	30.10.2018
6.	**श्रीमती कंचन दिलीप कुलकर्णी** पत्नी श्री दिलीप गणेश कुलकर्णी और श्री दिलीप गणेश कुलकर्णी पुत्र श्री जी.एम. कुलकर्णी (सीएच0290600100840)	फ्लैट नं. 2042/3, सेक्टर–45सी, चंडीगढ़ स्थित संपत्ति/फ्लैट	10.9.2015	327847/-	चंडीगढ़	31.10.2018
7.	**श्री आकाश वर्मा** पुत्र श्री दीप चंद वर्मा और श्रीमती सरिता पत्नी श्री अकाश वर्मा (सीएच0290610002049)	बार्ड नं. 7, गांव नाड़ा, खुमाऊ कालोनी, नयागांव, उप–तहसील– माजरी, तहसील–खराड़, जिला–एसएएस नगर, मोहाली स्थित प्लॉट/मकान/फ्लैट/दुकान माप 60 वर्ग गज जिसका खाता नं. 440/462, खसरा नं. 129/1(1009–13)	26.7.2018	554476/-	नयागांव	1.11.2018

उधारकर्ता को नोटिस के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अपनी ऋण को पूर्णतया जमा करने के लिए सूचित किया जाता हैं अन्यथा जीआईसीएचएफएल सरफासी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत दिये प्रावधानों और इसके नियमों के तहत कोई भी तरीका अपनाकर कथित संपत्ति/संपत्तियों का निपटारा करने के लिए बाध्य होगा। कर्जदार और आम जन को उपरोक्त उल्लिखित संपत्तियों/प्रत्याभूत परिसंपत्तियों अथवा इसके किसी भाग से कोई सौदा न करने के लिए आगाह किया जाता है। कथित संपत्तियों/प्रत्याभूत परिसंपत्तियों के साथ कोई भी लेनदेन उपरोक्त संपत्तियों/प्रत्याभूत परिसंपत्तियों के साथ दर्शायी बकाया राशि और पूर्ण भुगतान की तिथि तक भविष्य की ब्याज तथा अन्य चार्जिज़ के लिए जीआईसीएचएफएल के प्रभार के अधीन होगा।

दिनांक 05.11.2018
स्थान : चंडीगढ़
हिते जीआईसी हाऊसिंग फाइनेंस लि.
प्राधिकृत अधिकारी

बिज़नेस स्टैंडर्ड
चंडीगढ़ संस्करण

बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा अमर उजाला प्रेस, प्रेस प्लॉट नं-49, फेज़-II, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकुला, हरियाणा से मुद्रित एवं एससीओ 861, प्रथम तल, एनएसी, मनी माजरा,चंडीगढ़-160101 से प्रकाशित

संपादकः कैलाश नौटियाल

आरएनआई न० CHAHIN/2008/24509
पाठक संपादक को **lettershindi@bsmail.in** पर संदेश भेज सकते हैं1
टेलीफैक्स 0172-5035311 सब्सक्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए कृपया सम्पर्क करें..

सुश्री मानसी सिंह
हेड कस्टमर रिलेशन्स
बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंजिल, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, सेंचुरी मिल्स के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई 400 013
ई मेल.. **subs_bs@bsmail.in**
या 57007 पर एसएमएस करें **SUB BS**

डिस्क्लेमर.. बिज़नेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कॉर्पोरेट जगत और सरकार से जुड़ी घटनाओं की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है1 बिज़नेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के सभी विज्ञापन सद्भाव में स्वीकार किए जाते हैं। इनके साथ बिज़नेस स्टैंडर्ड न तो जुड़ा हुआ है और न ही उनका समर्थन करता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार का दावा संबंधित विज्ञापनदाता से ही किया जाना चाहिए।
मै0 बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 का सर्वाधिकार सुरक्षित है। बिजनेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस तरह का निषिद्ध एवं अनधिकृत कार्य करने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरु की जाएगी।

कोई हवाई अधिभार नहीं